ऑनलाइन और टेक-फैसिलिटेटेड हिंसा को समाप्त करने पर जोर

साइबर सुरक्षा

पाकुड़, प्रतिनिधि। अंतरराष्ट्रीय संस्था यूनेस्को तथा एनसीईआरटी के आह्वान पर डीपीएस में गुरूवार को हिंसा और साइबर बुलीइंग के खिलाफ संगोष्ठी सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में विद्यालय के प्रधानाचार्य जे.के. शर्मा, कोर मेंबर नेहा चक्रवर्ती, समन्वयक सह कंप्यूटर शिक्षक सौरीश दत्ता, कंप्यूटर शिक्षक उज्जवल कुमार और नासरीन मौजूद रहे। विद्यालय के प्रधानाध्यापक जे.के. शर्मा ने बच्चों को आज के डिजिटल युग में कैसे सचेत रहकर खुद को सुरक्षित रखा जा सकता की जानकारी दी। साथ ही साथ उन्होंने 2025 का विषय कनेक्टेड, प्रोटेक्टेड और एम्पॉवर्डः की चर्चा करते हुए बताया कि इस संगोष्ठी का उदेश्य ऑनलाइन और टेक-फैसिलिटेटेड हिंसा को समाप्त करना है ताकि सभी शिक्षार्थी आगे बढ़ सकें। उन्होंने सुरक्षित, समावेशी शिक्षण वातावरण बनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते प्राचार्य जेके शर्मा व अन्य ।

विद्यालय के निदेशक अरुणेंद्र कुमार ने अपने संदेश में कहा कि आज के डिजिटल युग में हिंसा और साइबर अपराध अथवा धमकी से सुरक्षा के प्रति छात्रों को जागरूक करना अत्यंत अवश्यक है, क्योंकि आजकल डिजिटल नेटवर्क पठन-पाठन का एक जरुरी हिस्सा है। अतः बच्चों में इसके उपयोग के प्रति जागरूकता अत्यंत जरुरी है, ताकि शिक्षार्थियों को डिजिटल युग में आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाया जा सके। विद्यालय या अनुशासित समाज में किसी भी तरह की धमकी या डर के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। कार्यक्रम में विद्यालय के समन्वयक और कंप्यूटर शिक्षक सौरिस दत्ता ने बिभिन्न तरह के वीडियो और पावर पॉइंट के द्वारा बच्चों को साइबर सुरक्षा की जानकारी दी। विद्यालय के ए.आई. के शिक्षक उज्जवल कुमार ने बच्चों को पासवर्ड, आई.डी, तथा ए.आई. के सुरक्षित उपयोग और उससे होने वाली परेशानियों और बचाव की जानकारी दी ताकि बच्चों को जागरूक किया जा सके।